स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा - तृतीय खण्ड — डॉ० मुन्ना साहु
(अष्टम पत्र - साहित्य - सिद्धांत एवं हिन्दी आलोचना) हिन्दी विभाग
भारतीय साहित्य सिद्धांत - अतिलघूत्तरीय प्रश्नोत्तर - 3 जे० के० कॉलेज

1. "आनन्द का अर्थ हृदय का व्यक्तिबद्ध दशा से मुक्त और ऊपर उठकर अपनी क्रिया में तत्पर होना ही समझता हूँ।" यह कथन किसका है?
— रामचन्द्र शुक्ल

2. 'असंलक्ष्यक्रम व्यंग्यध्वनि' कहकर रस को ध्वनि का एक भेद किसने माना है?
— आनन्दवर्धन

3. 'प्रज्ञा नवोन्मेषशालिनी प्रतिभा मता।' कथन किसका है?
— भट्टतौत

4. "रमणीय अनुभूति, उक्ति वैचित्र्य और छंद... इन तीन का समंजित रूप कविता है।" किसका कथन है?
— डॉ० नगेन्द्र

5. "कविता एक कला है, कला प्रकृति का अनुकरण है।" कथन किसका है?
— भरतमुनि

6. कवि की प्रतिभा को कारयित्री तथा भावक की प्रतिभा को भावयित्री संज्ञा किसने दी?
— राजशेखर

7. रूढ़ा एवं प्रयोजनवती शब्दशक्ती का संबंध किससे है?
— लक्षणा शब्दशक्ती

8. जब प्रसिद्ध अर्थ में बाधा उत्पन्न होने पर भी रूढ़ि अथवा प्रयोजन के द्वारा अर्थ का बोध हो तो वहाँ कौन सी शब्द शक्ती होती है?
— लक्षणा

9. 'व्यक्तिविवेक' नामक ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?
— महिम भट्ट

10. 'भामह-विवरण' ग्रंथ के रचयिता हैं?
— आनन्दवर्धन